Prabhat Khabar (Date: - 21/12/2019)

सुविधा • चेकिंग काउंटर 15 से बढ़कर 20 हो जायेंगे, स्पाइस जेट की सेवा जल्द ही शुरू होगी

पटना एयरपोर्ट पर दो और एक्स-रे मशीनें लगेंगी : नेगी

संवाददाता ▷ पटना

यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पटना एयरपोर्ट परिसर में दो नयी एक्सरे मशीन लगायी जायेगी. इससे यात्रियों को सुविधा होगी और साथ ही समय की बचत होगी. ये बातें जय प्रकाश नारायण एयरपोर्ट के निदेशक बीसीएच नेगी ने शुक्रवार को बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज में आयोजित एक कार्यक्रम में कहीं. उन्होंने कहा कि दो-तीन माह के अंदर चेकिंग काउंटर 15 से बढ़कर 20 हो जायेगी. साथ ही गया एयरपोर्ट से स्पाइस जेट की सेवा जल्द ही शुरू होगी. कार्गो में भी नयी सुविधाओं को विस्तार किया जा रहा है, ताकि कारोबारियों को माल मंगाने में सुविधा हो. इसके पूर्व बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष पीके अग्रवाल ने कहा कि देश के सभी एयरपोर्ट की भांति पटना में भी यात्रियों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है, जो देश के विकास का एक अच्छा संकेत है. यह भी सत्य है कि अन्य लोगों के तुलना में उद्यमियों एवं व्यवसायियों को व्यापार के सिलसिले में अधिक यात्रा करने की आवश्यकता होती है. उन्होंने एयरपोर्ट निदेशक से अनुरोध किया कि एयर यात्रियों की बढ़ती संख्या के अनुरूप एयरपोर्ट पर यात्री सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाना चाहिए.

ये रहे मौजूद

पटना एयरपोर्ट के संयुक्त महाप्रबंधक मनोज कुमार, उप महाप्रबंधक अरविंद कुमार, संतोष कुमार, एआर विश्वनाथन, कमांडेट विशाल दूबे, सहायक कमांडेट संदीप तालान, इंडिगो एयरलाइन के स्टेशन मैनेजर रूपेश कुमार सिंह एवं अमिताभ लाल, स्पाइसजेट एयरलाइन के स्टेशन मैनेजर सैयद जेड हसन, संतोष उपाध्याय एवं सोनू कुमार, गो एयरलाइन के स्टेशन मैनेजर मनमोहन तिवारी एवं विकास कुमार, वेस्तरा एयरलाइन के स्टेशन मैनेजर संजय कुमार यादव, एयर इंडिया के स्टेशन मैनेजर एनके सिन्हा तथा चैंबर की ओर से उपाध्यक्ष एनके ठाकुर, मुकेश कुमार जैन, महामंत्री अमित मुखर्जी, विशाल टेकरीवाल, पशुपति नाथ पारस, सुबोध जैन भाग लिया.

चैंबर की ओर से निदेशक को सौंपे गये ज्ञापन

- उड़ान योजना के तहत मुजफ्फरपुर, भागलपुर, पूर्णिया, रक्सौल, समस्तीपुर, गया, आरा, दरभंगा, मोतीहारी के एयरपोर्ट का समुचित विकास कर आवश्यक सुविधाएं मुहैया किया जाना चाहिए.
- गया एयरपोर्ट से घरेलू उड़ान की अधिकाधिक सेवाएं प्रारंभ की जानी चाहिए.
- सुरक्षा जांच में प्रत्येक ट्रे के लिए दो टोकन का प्रावधान किया जाना चाहिए. एक टोकन ट्रे में हो और दूसरा टोकन यात्री के पास.
- दिव्यांगों की सुविधा के लिए प्रवेश द्वारा पर हैड्रौलिक प्लैटफॉर्म की सुविधा प्रदान की जानी चाहिए.
- दिल्ली एवं मुंबई की तरह पटना में भी सभी मौसम में लैंडिंग की सुविधा की व्यवस्था की जानी चाहिए.

Prabhat Khabar (Date: - 21/12/2019)

आस्था. सुबह साढ़े चार बजे से पंज प्यारे की अगुआई में निकलेगी प्रभातफेरी

प्रकाश पर्व का आज से होगा आगाज

प्रतिनिधि ▷ पटना सिटी

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के 353वें प्रकाश पर्व का आगाज शनिवार 21 दिसंबर को प्रभातफेरी से हो जायेगा. यह 11 दिनों तक 31 दिसंबर तक चलेगी. 31 दिसंबर को बड़ी प्रभातफेरी निकाली जायेगी. प्रबंधक कमेटी के महासचिव महेंद्रपाल सिंह ढिल्लन व सचिव महेंद्र सिंह छाबड़ा ने बताया कि शनिवार की सुबह साढ़े चार बजे से पंच प्यारे की अगुआई में तख्त परिसर से प्रभातफेरी अरदास के बाद निकाली जायेगी. प्रभातफेरी तख्त साहिब से निकल कर अशोक राजपथ के मुख्य मार्ग होती हुई चौक के रास्ते श्री गुरु गोबिंद पथ होते हुए मंगल तालाब मोड़, दीरा पर, काली स्थान से बाललीला गुरुद्वारा पहुंचेगी. वहां दर्शन के बाद हरमंदिर गली के रास्ते वापस तख्त साहिब लौटेगी. प्रभातफेरी के संयोजक सरदार दर्शन सिंह, तेजेंद्र सिंह बग्गा, प्रेम सिंह, रणजीत सिंह, इंद्रजीत सिंह बग्गा बनाये गये हैं. बड़ी प्रभातफेरी में बैंड बाजों व गतका दल का प्रदर्शन होगा. एक जनवरी को गायघाट बड़ी संगत गुरु द्वारा से नगर कीर्तन निकाला जायेगा, जो तख्त साहिब तक आयेगा. हालांकि धार्मिक अनुष्ठान 30 दिसंबर से आरंभ हो जायेगा.

प्रकाश पर्व की तैयारी को लेकर गुरुद्वारे की सफाई करते सेवादार

टेंट सिटी को अंतिम रूप देने में जुटे सेवादार.

मुख्य समारोह दो जनवरी को तख्त साहिब में मनाया जायेगा

पटना सिटी. बाललीला गुरुद्वारा में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के 353वें प्रकाश पर्व का मुख्य समारोह तीन जनवरी को होगा. इसके लिए तैयारी आरंभ कर दी गयी है. गुरुद्वारा के कारसेवा प्रमुख बाबा गुरबिंदर सिंह ने बताया कि एक जनवरी को यहां श्री गुरु ग्रंथ साहिब का अखंड पाठ रखा जायेगा. इसका समापन तीन जनवरी को जन्मोत्सव के दिन होगा. प्रकाश पर्व के लिए गुरुद्वारा के प्रमुख जत्थेदार संत बाबा कश्मीर सिंह भूरी वाले भी 24 दिसंबर को बाललीला में पहुंच जायेंगे जो प्रकाश पर्व तक यहीं रहेंगे.

टेंट सिटी के निर्माण कार्य में आयी तेजी

पटना सिटी. कंगन घाट पर बन रहे टेंट सिटी के निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेने शुक्रवार को प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष अतवार सिंह हित, महासचिव महेंद्रपाल सिंह ढिल्लन व प्रबंधक कमेटी के सदस्यों के साथ पहुंचे. जहां पर कार्य करा रहे बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के महाप्रबंधक प्रितीश्वर प्रसाद, अरुण कुमार व अन्य अधिकारियों निर्माण कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर सलीम खान के साथ कार्य की प्रगति को देखा और लंगर हाल से जुड़े कुछ सुझाव भी निर्माण कंपनी को दिया.

वहीं व्यवस्था की देखरेख के लिए बाबा सुखबिंदर सिंह सुखवा भी 22 दिसंबर को आ रहे हैं.

अपर निगमायुक्त ने निरीक्षण कर दिये कई निर्देश : देखिए खुले चैंबर का ढकने, मरम्मत कराने का जो कार्य चल रहा है. उसे 22 दिसंबर तक हर हाल में पूरा कर लीजिए. लाइटिंग की व्यवस्था को भी इसी अवधि में दुरुस्त कीजिए. शुक्रवार को पटना नगर निगम की अपर निगमायुक्त शीला ईरानी ने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश दिया. वह अधिकारियों के साथ गलियों में चल रहे मरम्मत कार्य, साफ-सफाई व लाइटिंग की व्यवस्था का जायजा लेने आयी थीं. अपर निगमायुक्त ने बताया कि प्रकाश पर्व को लेकर जो तैयारी की जा रही है, वो लगभग पूरी हो चुकी है. कुछ काम रह गये हैं जिन्हें कराया जा रहा है. निरीक्षण में उनके साथ सुशील कुमार मिश्र, विभाग के अभियंता समेत अन्य अधिकारी थे. मंगल तालाब स्थित रामदेव महतो सामुदायिक भवन में 26 दिसंबर से नियंत्रण कक्ष कार्य करेगा.

Hindustan (Date: - 21/12/2019)

अंतरराष्ट्रीय स्तर की बनेंगी सभी सड़कें : गडकरी

इंडियन रोड कांग्रेस

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सभी सड़कों और पुलों का निर्माण हमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर का करना है। इस ओर हमने कदम बढ़ा दिया है। कहा कि सड़क निर्माण में जो उपलब्धि हमलोगों ने हासिल की है, वह हजारों इंजीनियरों और अन्य कर्मियों की मेहनत का नतीजा है। बेहतर टीम वर्क से हमने यह सफलता पाई है।

इंडियन रोड कांग्रेस (आईआरसी) के 80 वें अधिवेशन में वह स्वयं उपस्थित नहीं हुए, पर उनके भाषण का वीडियो क्लिप यहां सुनाया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा महत्वपूर्ण बैठक बुलाए जाने के कारण वे अधिवेशन में नहीं आ सके। श्री गडकरी ने कहा कि सड़क निर्माण में नयी-नयी तकनीक अपनाना हमारी प्राथमिकता में है। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी करने के लिए व्यापक स्तर पर काम करने की जरूरत है। हर साल पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। इसमें मरने वालों में अधिकांश 18 से 35 साल के आयु के लोग होते हैं। पिछली गलतियों से सबक लेते हुए दुनियाभर में हो रहे अच्छा काम को हमें अपनाना है। पुल के नये-नये डिजाइन को भी अपनाना है। दुनियाभर में जो भी अच्छा कार्य हो रहे हैं, उनसे हमें सीख लेकर आगे बढ़ना है। इंजीनियरों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाएं जाएंगे। भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था लागू करना भी हमारी चुनौती है। कहा कि किसी भी इंजीनियर अथवा पदाधिकारी को सड़क को लेकर सुझाव देना है तो वे सीधे कभी भी मुझसे बात कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़कों के निर्माण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और अपने राजस्व उगाही पर भी हमें ध्यान देना है।

इन्हें किया गया पुरस्कृत : आईआईटी मुंबई के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ धर्मवीर सिंह को नेहरु पुरस्कार, बिहार पीडब्ल्यूडी पुरस्कार डॉ. हेमंत कुमार, डॉ. संगीता एवं डॉ. वंदना को, आईआरसी मेडल संजय कुमार, अभिनय कुमार एवं राजन चौधरी को दिया गया। लाइफटाइम मेडल एनके सिन्हा को, महाराष्ट्र पीडब्ल्यूडी मेडल राकेश कुमार मेहता, सुदीप कुलकर्णी एवं बीएल हेगड़े को दिया गया तथा कमेंडेशन सर्टिफिकेट सीपी जोशी को प्रदान किया गया।

इंडियन रोड कांग्रेस के 80वें अधिवेशन में शामिल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, मंत्री नंदकिशोर यादव व अन्य।

बिहार मन से गरीब नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार गरीब राज्य जरूर है, पर हमलोग मन से गरीब नहीं हैं। बिहार आने वालों का हमलोग खूब सम्मान और इज्जत करते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में सबसे घनी आबादी का भी यही कारण है कि सबसे पहले लोग यहीं आकर रहने लगे। बिहार का इतिहास ही पूरे भारत का इतिहास है। मुख्यमंत्री ने मौके पर बेहतर कार्य करने वाले कइयों को पुरस्कार प्रदान किया। साथ ही स्मारिका और न्यू डॉक्यूमेंट इंडियन रोड्स कांग्रेस 2019 का विमोचन किया।

Hindustan (Date: - 21/12/2019)

मक्का और गेहूं के बेहतर उत्पादन को लेकर कृषि क्षेत्र में देश के सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार के लिए चयनित हुआ था बिहार

बिहार को इस बार मिलेंगे दो कृषि कर्मण पुरस्कार

उपलब्धि

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

कृषि क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ उत्पादन के लिए बिहार को दो केंद्रीय कृषि कर्मण पुरस्कार एक साथ मिलेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद अपने हाथों यह पुरस्कार देंगे। दोनों पुरस्कार 3 जनवरी को बेंगलुरु में आयोजित एक समारोह में मिलेंगे।

केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने इस समारोह में पुरस्कार ग्रहण करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राज्य के कृषि मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, कृषि सचिव डॉ. एन सरवण कुमार और निदेशक आदेश तितरमारे को आमंत्रित किया है।

कृषि मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि वर्ष 2016-17 के लिए मोटे अनाज की श्रेणी में मक्का और वर्ष 2017-18 के लिए गेहूं के उत्पादन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बिहार का चयन कृषि कर्मण पुरस्कार के लिए हुआ था। प्रत्येक पुरस्कार में दो-दो करोड़ रुपये, ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे।

वर्ष 2016-17 में मक्का का कुल उत्पादन 38.46 लाख मीट्रिक टन तथा उत्पादकता 53.35 क्विंटल प्रति हेक्टेयर दर्ज की गई है, जो एक रिकॉर्ड है। साथ ही वर्ष 2017-18 में गेहूं का कुल उत्पादन 61.04 लाख टन तथा उत्पादकता 29.05 क्विंटल प्रति हेक्टेयर दर्ज की गई है। कृषि मंत्री ने कहा कि आने वाले समय में बिहार के किसानों के सहयोग से यह रिकार्ड भी टूटेगा।

गेहूं के बाद मक्के के उत्पादन पर बल

चावल और गेहूं के उत्पादन में वृद्धि के बाद कृषि विभाग ने मक्का का उत्पादन बढ़ाने पर बल देना शुरू किया था। नतीजा ऐसा निकला कि देश का सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार दो बार इस क्षेत्र में बिहार को मिल गया।

03
जनवरी को बेंगलुरु में पीएम देंगे नीतीश कुमार को पुरस्कार

02
-02 करोड़ की राशि प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी दी जाएगी

5वीं बार मिली सफलता

बिहार को यह सफलता पांचवीं बार मिली है। साथ ही मक्का उत्पादन के लिए लगातार दूसरी बार यह पुरस्कार मिलेगा। इसके पहले भी चावल, गेहूं और मक्का के उत्पादन के लिए कृषि क्षेत्र में देश का यह सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार मिल चुका है। बिहार को पहली बार कृषि कर्मण पुरस्कार वर्ष 2011-12 में चावल के सर्वाधिक उत्पादन के लिए मिला था। उसके बाद 12-13 में गेहूं और 2015-16 में मक्का के सर्वाधिक उत्पादन के लिए यह पुरस्कार मिला था। मक्का में बीज प्रतिस्थापन दर भी बिहार में 90 प्रतिशत से भी अधिक हो चुका है।